टाटा पावर बनाएगा सेमीकंडक्टर, जापान और सिंगापुर के भी लगेंगे प्लांट

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे बिजौली में विकसित किया जा रहा है औद्योगिक क्षेत्र, देश-विदेश की बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि कर रहे हैं स्थलीय निरीक्षण

प्रदीप द्विवेदी ● जागरण

मेरठ : पश्चिम उप्र की उर्वर धरती पर अब निवेश का सूरज उतरने जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे किनारे बिजौली का औद्योगिक क्षेत्र पश्चिम यूपी में रोजगार एवं निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनने की ओर है। सरकार बड़ी इकाइयां आकर्षित कर एमएसएमई को पंख देने एवं क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में जुट गई है। टाटा पावर, जापान की सुई मोटो, सिंगापुर की सेंबकार्प, भारत की एजी ग्रीन पैक,एलेनबेरी के प्रतिनिधियों ने भूमि का निरीक्षण कर लिया है। 100 करोड़ से कम निवेश वाले 100 से अधिक निवेशकों ने सरकार से वार्ता शुरू की है। मेरठ के भी कई निर्यातकों ने भूमि के लिए

बिजौली में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण करती टाटा पावर की टीम● सौ. जिलाध

आवेदन किया है।

टाटा पावर को भूमि और कीमत आदि पसंद आ गई तो यह कंपनी यहां पर सेमीकंडक्टर का बड़ा प्लांट स्थापित करेगी। कंपनी ने तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की रुचि दिखाई है। कंपनी को 100 एकड़ जमीन चाहिए। प्लांट स्थापित होता है तो उससे दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। जपान की सुई मोटो कंपनी 50 से अधिक क्षेत्रों में कार्य करती है। वह यहां पर बड़े स्तर का प्लांट स्थापित करना चाहती है। यह कंपनी एक हजार करोड़ रुपये का निवेश करना चाहती है।

सिंगापुर की कंपनी सेंबकार्प ने बिजौली के पूरे औद्योगिक क्षेत्र को नए रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। यदि उसे कार्य मिलता है तो वह प्लांट भी स्थापित करेगी। भारत की कंपनियों में एजी ग्रीनपैक एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करना चाहती है।

कंपनी को 50 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। यह कंपनी यहां पर पेयपदार्थों के लिए एल्यूमिनियम केन का उत्पादन करेगी। उत्पादन के लिए आटोमेटिक मशीनें लगाएगी। यदि प्लांट लगता है तो 300 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। एलेनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड कंपनी को 10 एकड़ जमीन चाहिए। कंपनी ने 250 करोड़ रुपये के निवेश की इच्छा जताई है। यह कंपनी औद्योगिक गैस का उत्पादन करती है। इसके बंगाल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक में पहले से ही बड़े स्तर के प्लांट हैं। यदि बिजौली में प्लांट स्थापित होता है तो 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी आक्सीन, नाइट्रोजन, कार्बन डायआक्साइड, आर्गन व हाइड्रोजन जैसी गैस का उत्पादन करेगी।

मेरठ में रुचि दिखाने का कारण

- एनसीआर का हिस्सा होना
- जेवर एयरपोर्ट नजदीक होना
- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, मेरठ-बुलंदशहर हाइवे व नमो भारत कारिडोर से कनेक्टिविटी
- डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के चदरी स्टेशन से नजदीकी
- मेरठ में पहले से एमएसएमई यूनिटों की बड़ी संख्या में होना
- उद्योग योग्य कुशल श्रमिकों की मेरठ से आसान उपलब्धता

11 औद्योगिक क्षेत्रों में टाप पर मेरठ : गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक बन रहा है। इस एक्सप्रेसवे के किनारे मेरठ समेत 11 जिलों औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इनमें से निवेश के लिए रुचि दिखाने में टाप पर मेरठ है। दूसरे स्थान पर हापुड़ है। बहरहाल सभी कंपनियों को शासन स्तर से वार्ता चल रही है।

> बिजौली औद्योगिक क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश कराने का प्रयास है। सरकार चाहती है कि मेरठ व आसपास के जिलों की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किसी बड़ी कंपनी के प्लांट स्थापित कराए जाएं। इससे रोजगार मिलेगा और छोटी यूनिटें भी खुल सकेंगी। कंपनियों को भूमि का निरीक्षण कराया जा रहा है, जिनकी शासन स्तर से वार्ता चल रही है।
>
> -विजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी